SHRI. R. N. JOE D' CRUZ

Shri R. N. Joe D' Cruz, CEO / Consultant of M/s Sasi Logistics Pvt. Limited, Chennai has been working in the Commercial Shipping and Logistics industry for the past 35 years. He is widely known in the commercial shipping area and has extensively contributed to the growth of Coastal Shipping in peninsular India.

2. Born on 17th May, 1963 in a traditional fishermen family, Shri D' Cruz developed interest in the life, livelihood and welfare of Coastal India from early stages of his life and started working for creation of awareness among coastal communities. He received his Master of Arts in Economics from Loyola College, Chennai and Master of Philosophy in Economics from St. Joseph's College, Trichy. Education and Career guidance to the coastal youth was his initial effort which ultimately made him a chronicler of coastal life. Irrespective of caste, creed and religion, he worked with coastal communities - the first line coastal defence of the Nation for their social, economical and political awareness and their participative role in Nation Building.

3. As a columnist in leading newspapers and magazines, Shri D' Cruz's writings revolve around Coastal Life in an effort to draw the attention of a wide cross section of readers to the rich heritage of fishermen. He advocates sustainable Blue Economy which is a simultaneous development of Fishing and Shipping for the overall development of the Nation. He is also a founder of Bharatha Culture and Heritage Trust, a Think Tank and acts as a bridge between the Coast and the Government for amicable solutions in the interest of both.

4. Shri D' Cruz is a recipient of several awards for his writings and documentaries including the Sahitya Academy Award in 2013 for his novel Korkai. As a member of National Shipping Board and National Welfare Board of Seafarers, he has contributed and promoted sustainable Fishing and Shipping by understanding the traditional coastal wisdom which has been passed down through generations.

श्री आर. एन. जो डीक्रूज़

श्री आर. एन. जो डीक्रूज़, मेसर्स सासी लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नै के सीईओ/परामर्शदाता हैं। वह पिछले 35 वर्षों से वाणिज्यिक नौवहन और लॉजिस्टिक्स उद्योग में काम कर रहे हैं। वह वाणिज्यिक नौवहन क्षेत्र में व्यापक रूप से जाने जाते हैं और उन्होंने प्रायद्वीपीय भारत में तटीय नौवहन के विकास में बहुत योगदान दिया है।

2. 17 मई, 1963 को एक पारंपरिक मछुआरा परिवार में जन्मे, श्री डीक्रूज़ ने अपने जीवन की शुरुआती अवस्थाओं से ही तटीय भारत के जीवन, आजीविका और कल्याण के प्रति रुचि विकसित की और तटीय समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने लोयोला कॉलेज, चेन्नै से अर्थशास्त्र में कला निष्णात और सेंट जोसेफ कॉलेज, त्रिची से अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्राप्त की। तटीय युवाओं को शिक्षा और करियर मार्गदर्शन उनका प्रारंभिक प्रयास था जिसने अंततः उन्हें तटीय जीवन का इतिहासकार बना दिया। जाति, पंथ और धर्म से परे, उन्होंने राष्ट्र की पहली तटीय रक्षा पंक्ति अर्थात तटीय समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी की भूमिका के लिए कार्य किया।

3. प्रमुख समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में एक स्तंभकार के रूप में, श्री डीक्रूज़ का लेखन मछुआरों की समृद्ध विरासत की ओर पाठकों के एक व्यापक वर्ग का ध्यान आकर्षित करने के प्रयास में तटीय जीवन के इर्द–गिर्द घूमता है। वह टिकाऊ नीली अर्थव्यवस्था की वकालत करते हैं जो राष्ट्र के समग्र विकास के लिए मत्स्यन और नौवहन का एक साथ विकास है। वह भारत संस्कृति और विरासत ट्रस्ट, एक थिंक टैंक के संस्थापक भी हैं और तट और सरकार दोनों के हित में सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए उनके बीच एक पुल के रूप में कार्य करते हैं।

4. श्री डीक्रूज़ को उनके लेखन और वृत्तचित्रों के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें उनके उपन्यास कोरकाई के लिए 2013 में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी शामिल है। राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड और राष्ट्रीय नाविक कल्याण बोर्ड के सदस्य के रूप में, उन्होंने पीढ़ियों से चले आ रहे पारंपरिक तटीय ज्ञान को समझकर सतत मत्स्यन और नौवहन को बढ़ावा देने में योगदान दिया है।